नंदा नगर गोल स्कूल मैदान में भव्य रूप में विराजे गणपति

नव भारत न्यूज

इंदौर. नंदा नगर स्थित गोल स्कूल प्ले ग्राउंड में हर वर्ष की तरह इस बार भी भगवान श्री गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है. इस वर्ष गणपति बप्पा रिद्धि-सिद्धि के साथ विराजमान हैं. प्रतिमा के साथ की गई आकर्षक सजावट भी श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण बनी हुई है. नंदा नगर में गणेशोत्सव की स्थानीय गतिविधियां इस वर्ष भी जारी हैं. गोल स्कूल मैदान में गणेशोत्सव के साथ शिव पुराण कथा का आयोजन भी चल रहा है.

यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा और आरती में शामिल हो रहे हैं. आयोजन की सबसे खास बात बच्चों के लिए रखा गया कार्यक्रम है. बच्चे अलग-अलग रूपों में तैयार होकर यहां पहुंचते हैं. कोई भगवान का रूप धारण करता है तो कोई हीरो-हीरोइन, रोबोट या अपनी पसंद के अलग-अलग किरदारों का रूप लेकर आता है.

कार्यक्रम के दौरान बच्चों में से 11 बच्चों का चयन किया जाता है, जो अपने रूप और प्रस्तुति से सबसे अलग नजर आते हैं. चयनित बच्चों को नकद राशि के साथ उपहार देकर प्रोत्साहित किया जाता है. वहीं अन्य बच्चों के लिए भी आयोजन समिति की ओर से खाने की पैक थाली और प्रतिदिन अलग-अलग उपहार देने की व्यवस्था की जाती है. इससे गणेशोत्सव में बच्चों की भागीदारी और उत्साह दोनों बढ़ रहे हैं. यह आयोजन केवल बच्चों तक सीमित नहीं है. बड़ों के लिए भी प्रतिदिन भोजन-प्रसादी और भंडारे की व्यवस्था की जाती है. श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई हैं, ताकि दर्शन और प्रसादी के दौरान किसी को परेशानी न हो. आरती और शिव पुराण में स्थानीय जनप्रतिनिधि रमेश मेंदोला और कैलाश विजयवर्गीय के शामिल होने की बात भी आयोजन से जुड़े लोगों ने बताई. इस तरह गोल स्कूल मैदान में गणेशोत्सव धार्मिक आयोजनों के साथ बच्चों के मनोरंजन, प्रतिभा प्रदर्शन और सामुदायिक प्रसादी का भी केंद्र बना हुआ है.

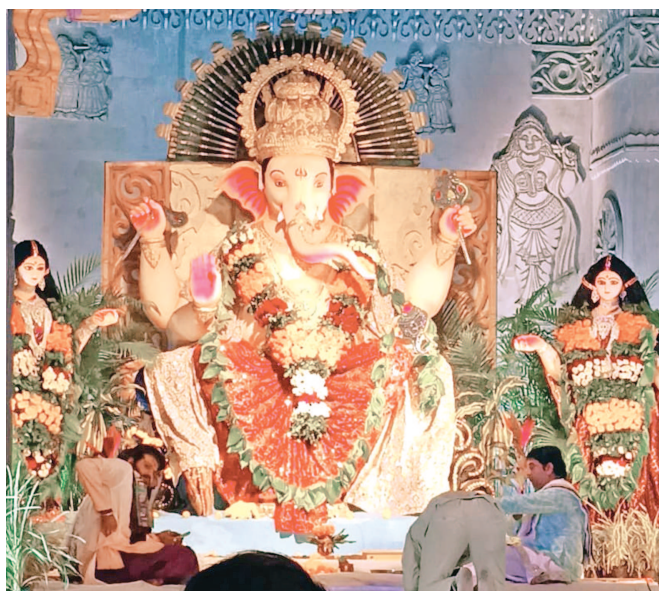

बप्पा के भोग के लिए सजीं मोदक की अनोखी वैरायटी

नव भारत न्यूज

इंदौर. गणेश चतुर्थी के पावन पर्व के साथ ही शहर में भगवान गणेश के स्वागत और पूजा-अर्चना का उत्साह चरम पर है. गणपति पंडालों से लेकर घरों तक बप्पा की भक्ति में श्रद्धालु लीन हैं. वहीं, भगवान गणेश के प्रिय भोग मोदक की मांग भी बाजार में तेजी से बढ़ गई है. ओम मिष्ठान भंडार सहित शहर की मिठाई दुकानों पर पारंपरिक मोदक के साथ ही कई नए स्वाद, रंग और आकर्षक डिजाइन वाले मोदक ग्राहकों को लुभा रहे हैं.

गणेशोत्सव को देखते हुए ओम मिष्ठान भंडार में इस बार मोदक की खास रेंज तैयार की गई है. इनमें पारंपरिक स्वाद के साथ आधुनिक फ्लेवर और आकर्षक डिजाइन भी देखने को मिल रहे हैं. दुकानों के काउंटर पर सजे रंग-बिरंगे मोदक श्रद्धालुओं और ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. बूंदी और केसर मोदक इस बार खास पसंद किए जा रहे हैं. केसरिया रंग, पिस्ता की गार्निश और बूंदी के स्वाद वाला यह मोदक देखने में जितना आकर्षक है, स्वाद में भी उतना ही खास है. वहीं मावा और खोया मोदक पारंपरिक स्वाद पसंद करने वाले ग्राहकों की पहली पसंद बने हुए हैं. इसके अलावा मावा पोटली और फ्राइड मोदक भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं.

पोटली के आकार में तैयार मोदक अपनी अलग डिजाइन के कारण खास नजर आ रहे हैं, जबकि सुनहरे रंग के फ्राइड मोदक अपनी कुरकुरी बनावट के लिए पसंद किए जा रहे हैं. बच्चों और युवाओं को ध्यान में रखते हुए पिस्ता और चॉकलेट फ्लेवर के मोदक भी तैयार किए गए हैं. खासकर चॉकलेट वाले मोदक बच्चों को आकर्षित कर रहे हैं.

ओम मिष्ठान भंडार के संचालक किशन सिंह राजपुरोहित ने बताया कि गणेशोत्सव उनके लिए बेहद खास पर्व है. भगवान गणेश को मोदक प्रिय होने के कारण हर साल श्रद्धालुओं के लिए कुछ नया और शुद्ध तैयार करने का प्रयास किया जाता है. इस बार शुद्ध मावा, केसरिया बूंदी, पिस्ता, चॉकलेट और मावा पोटली सहित कई तरह के मोदक तैयार किए गए हैं. मोदक की तैयारी में शुद्धता और स्वाद का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ बप्पा को भोग लगा सकें. गणेशोत्सव को लेकर ग्राहकों की ओर से भी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है.

गणेशोत्सव के दौरान ओम मिष्ठान भंडार में सजे रंग-बिरंगे और अलग-अलग स्वाद वाले मोदक न केवल बप्पा के भोग का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि शहरवासियों के लिए त्योहार की मिठास को भी बढ़ा रहे हैं।

सिद्ध विजय गणेश का स्वर्णेश्वर गणेश के रूप में श्रृंगार

नव भारत न्यूज

इंदौर. मरीमाता चौराहा स्थित श्रीसिद्ध विजय गणेश मंदिर पर गणेशोत्सव के सातवें दिन सिद्ध विजय गणेश का स्वर्णेश्वर गणेश के रूप में अनूठा श्रृंगार किया गया. भगवान सिद्ध विजय गणेश स्वर्णिम आभा से दमक उठे. सुबह एवं शाम को 11 विद्वानों ने मंत्रोच्चार के बीच दूध एवं फल-फूल से अभिषेक कर गणेशजी को छप्पन भोग समर्पित किए. मंदिर. के पुजारी पं. प्रेमनारायण शास्त्री, पं. महेंद्र शर्मा, राजेंद्र शास्त्री के निर्देशन में भगवान के नित्य नूतन श्रृंगार का सिलसिला पहले दिन से ही जारी है. पं. चिराग तिवारी ने स्वर्णेश्वर गणेश के रूप में सिद्ध विजय गणेश का इतना मनोहारी श्रृंगार किया कि दर्शक देखते ही रह गए.

गणेश उत्सव के तहत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

नव भारत न्यूज

इंदौर. आदर्श इंद्रा नगर में गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है. गणेश उत्सव के लिए कॉलोनी में आकर्षक पंडाल सजाया गया है. दस दिवसीय उत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के खेल, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है.

इसी क्रम में रविवार को स्थानीय रहवासियों और बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के खेल, गरबा, नृत्य एवं नाटक की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई. सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों और रहवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. श्री गणेश मित्र मंडल के सदस्यों ने बताया कि आदर्श इंद्रा नगर में प्रतिवर्ष गणेश उत्सव का आयोजन भव्य रूप से किया जाता है. दस दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में कॉलोनी के रहवासी और बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं. धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर भी मिलता है. गणेश उत्सव के चलते आदर्श इंद्रा नगर 10 दिनों तक पूरी तरह भक्तिमय और उत्सव के रंग में रंगा रहता है। शाम होते ही पंडाल में श्रद्धालुओं और रहवासियों की चहल-पहल बढ़ जाती है.

80 के दशक के लोकप्रिय फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां दीं

सोनी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों की प्रस्तुति से सजी संगीत संध्या

नव भारत न्यूज

इंदौर. श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य सभागृह में रविवार को सोनी म्यूजिकल ग्रुप के सौजन्य से संगीत संध्या का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शहर के कलाकारों और चिकित्सकों ने 80 और 90 के दशक के लोकप्रिय फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं.

संगीत संध्या में किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, मुकेश, मन्ना डे, महेंद्र कपूर, लता मंगेशकर और आशा भोसले के सदाबहार गीत प्रस्तुत किए गए. गीतों की प्रस्तुतियों ने सभागृह में मौजूद संगीत प्रेमियों को पुरानी यादों से जोड़ दिया. कार्यक्रम का आयोजन सोनी म्यूजिकल ग्रुप इंदौर के आयोजक विजय सोनी के सौजन्य से किया गया. इस अवसर पर संगीत प्रेमी जीतू भौर ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि सभी कलाकारों ने गीतों की अच्छी प्रस्तुति दी. उन्होंने कहा कि वे इस तरह के संगीत कार्यक्रमों में नियमित रूप से शामिल होते हैं और ऐसे आयोजन संगीत प्रेमियों को मनोरंजन के साथ पुरानी यादों से जोड़ते हैं.

जीतू भौर

विकास के साथ संस्कार हों और आधुनिकता के साथ अपनापन हो

इंदौर की माटी में ही शायद कुछ ऐसा है कि जो यहाँ एक बार आता है, यहीं का होकर रह जाता है. मेरा इंदौर यह शब्द ही मन में एक अनकहा-सा सुकून भर देता है. मेरे सपनों का इंदौर वह शहर हो, जहाँ सुकून हो, शांति हो, प्रेम हो, सहिष्णुता हो, भाईचारा हो और निस्वार्थ भाव हो. इंदौर अपनी मेहमाननवाजी के लिए प्रसिद्ध है. यहाँ के स्वादिष्ट व्यंजन बरबस ही हर किसी का मन मोह लेते हैं. यहाँ त्योहारों को जिस सिद्दत और उत्साह से मनाया जाता है, वह इंदौर की खूबसूरती है. काश, यह भाईचारा हमेशा यूँ ही बना रहे. किसी भी तरह का मनमुटाव न हो और धर्म की आड़ में आम जनता को किसी तरह का नुकसान न पहुँचे. सब मिल-जुलकर रहें और अनेकता में एकता की मिसाल के रूप में इंदौर का परचम चारों ओर लहराए.

मेरे सपनों के इंदौर में भ्रष्टाचार का नामोनिशान न हो. ऐसा समाज हो जहाँ कोई बहुत अमीर और कोई बहुत निर्धन न रहे. हर काम पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ हो. शिक्षा की गुणवत्ता सही दिशा में हो. विद्यालयों में शिक्षा के साथ संस्कारों को भी महत्व दिया जाए. शिक्षक का मान-सम्मान बढ़े और सरकारी विद्यालयों की महत्ता इतनी बढ़े कि किसी बच्चे के मन में यह भाव न आए कि हम तो सरकारी स्कूल से पढ़े हैं. नौकरी और शिक्षा के अवसरों में योग्यता और समान अवसर को प्राथमिकता मिले। परीक्षाओं की व्यवस्था इतनी पारदर्शी और मजबूत हो कि पेपर लीक जैसी घटनाओं की कोई गुंजाइश ही न रहे. मेरे सपनों के इंदौर में मंदिरों में भी भेदभाव न हो. वीआईपी के लिए विशेष सुविधा और आम नागरिक के लिए घंटों लंबी कतार यह अंतर खत्म होना चाहिए. ईश्वर के दरबार में हर व्यक्ति समान हो. मेरे सपनों के शहर में सड़क बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये का दुरुपयोग न हो. जगह-जगह गड्ढों और टूटी-फूटी सड़कों के बजाय आम नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और अच्छी सड़कें मिलें. ट्रैफिक और सुरक्षा के नियम सख्त हों और उनका पालन भी उतनी ही सख्ती से हो. पुलिस अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करे. और न्याय व्यवस्था ऐसी हो कि आम आदमी को न्याय के लिए वर्षों तक इंतजार न करना पड़े. न्याय की प्रक्रिया सरल, सहज और समयबद्ध हो। काश! मेरा सपनों का इंदौर ऐसा हो कि जो यहाँ एक बार आए, वह इसकी खूबसूरती, अपनापन और व्यवस्था की चर्चा करते न थके. भ्रष्टाचार से मुक्त, स्वच्छता से युक्त, सुरक्षित, संवेदनशील और हरियाली से भरा हो मेरा इंदौर। जहाँ विकास के साथ संस्कार हों,तरक्की के साथ इंसानियत हो,और आधुनिकता के साथ अपनापन हो. यही है मेरे सपनों का इंदौर एक ऐसा इंदौर, जिस पर हर इंदौरी को गर्व हो.

नवभारत
कैसा हो सपनों का इंदौर

सुरेखा सरोदे (लेखिका)

संगीत संध्या में गूंजे हिंदी फिल्मों के सदाबहार गीत

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रीतमलाल दुआ ऑडिटोरियम में रविवार को अनहद नाद म्यूजिकल ग्रुप की ओर से संगीत संध्या का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में हिंदी फिल्मों के सदाबहार गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया.

संगीत संध्या में क्लासिकल सिंगर बोध मौर्य सहित कई कलाकारों ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया. कलाकारों की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया. कार्यक्रम के निर्देशक संजय मौर्य ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य उभरते हुए कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नए कलाकारों को प्रोत्साहन मिलने के साथ संगीत के प्रति लोगों की रुचि भी बढ़ती है. आयोजक लता कुलहारा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कलाकारों एवं उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया.

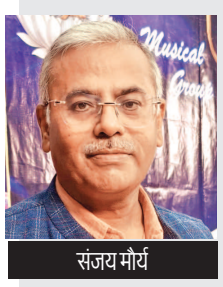

संजय मौर्य

लता कुम्हारा

श्रद्धा, भक्ति और मंगलकामनाओं से गूंजा श्री गणेश मंडल

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर की शताब्दी पुरानी प्रतिष्ठित संस्था श्री गणेश मंडळ के 93वें गणेशोत्सव के अंतर्गत रविवारको श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत श्री महिला गणेश याग एवं श्री गणेश सहस्रावर्तन का आयोजन किया गया. गणपति आराधना के इस विशेष अवसर पर वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, गणेश स्तुति और भक्तिभाव से सराबोर रहा।

डॉ. बाबासाहेब तराणेकर एवं पंडित विजय अयाचित के मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ श्री गणेश का पूजन-अर्चन कर सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, प्रगति एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई. इस अवसर पर गणेश मंडळ के अध्यक्ष विनय पिंगळे एवं सचिव किरण मांजरेकर ने बताया कि मंडळ के गणेशोत्सव में प्रतिवर्ष श्री गणेश सहस्रावर्तन का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया जाता है. इस वर्ष मातृशक्ति की विशेष सहभागिता को केंद्र में रखते हुए महिला गणेश याग का आयोजन किया गया, जो गणेशोत्सव की आध्यात्मिक परंपरा में एक विशेष पहल रही। गणपति बप्पा के चरणों में समर्पित यह आयोजन भक्ति, संस्कार और सामाजिक एकजुटता का सुंदर संगम बनकर उपस्थित श्रद्धालुओं के मन में भक्तिभाव की अमिट छाप छोड़ गया।

एक नजर में संगीत कार्यक्रम में शहर के संगीतप्रेमियों ने हिस्सा लिया

'नवरंग तरन्नुम' की सुरीली शाम में सजे गीतों के रंग, कलाकारों ने बांधा समां

नव भारत न्यूज

इंदौर. रविवार को जाल सभागृह में महेश पलोड़ कृत 'नवरंग तरन्नुम' की सुरीली शाम का आयोजन हुआ. इस संगीत कार्यक्रम में शहर के संगीतप्रेमियों ने हिस्सा लिया और विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया. कार्यक्रम सभी के लिए खुला रखा गया था.

कार्यक्रम में सूत्रधार एवं गायक महेश पलोड़ के साथ हर्षिता जायसवाल, आशा निनसंध, माधवी वैद्य (रेडियो आर्टिस्ट), सुषमा पलोड़, सुनील सोलंकी और अशोक पांचाल ने अपनी प्रस्तुतियां दीं. वहीं गेस्ट आर्टिस्ट मधु मुकेश की प्रस्तुति भी कार्यक्रम का खास आकर्षण रही. संगीत में सुनील कवलजीत ने साथ दिया, जबकि हेमंत महावर, दीपेश जैन एवं टीम ने संगीत संयोजन संभाला.

डॉ. हेमंत मंडोवरा मार्गदर्शक के रूप में जुड़े रहे. कार्यक्रम की शुरुआत बकावले सर के बांसुरी वादन से हुई. इसके बाद हर्षिता ने 'अगर दिलबर की रुसवाई हमें मंजूर हो जाए', माधवी वैद्य ने 'मोरनी बागां में नाचे रे आधी रात में', अशोक पांचाल ने 'बड़े अच्छे लगते हैं ये' और डॉ. हेमंत मंडोवरा ने 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी' जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए. इन प्रस्तुतियों पर सभागार तालियों से गूंज उठा. कार्यक्रम में 'इब्तदा-ए-इश्क में हम सारी रात जागे', 'मुबारक हो सबको समा ये सुहाना', 'ये जो मोहब्बत है', 'ये रातें ये मौसम नदी का किनारा', 'ये समां समां है ये प्यार का', 'फूल बरसाओ', 'ये लाल रंग कब मुझे छोड़ेगा', 'ये जिंदगी उसी की है', 'किसी नजर को तेरा इंतजार आज भी है', 'हाल कैसा है जनाब का' और 'गाता रहे मेरा दिल' सहित कई सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं. महेश पलोड़ और सुषमा पलोड़ की युगल प्रस्तुति तथा सुनील सोलंकी और माधवी वैद्य के डुएट गीत को भी श्रोताओं ने खूब सराहा. आयोजन में अध्यक्ष शकुंतला-रमेश चितलांग्या, सचिव राजश्री-श्याम माहेश्वरी, संरक्षक शीला-दिनेश चितलांग्या एवं लीना-प्रदीप राठी सहित प्रभारी लखन थोरात, नितिन दुबे, भावना कुकेजा और स्नेहा गंधे की सहभागिता रही. सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत लखन थोरात ने किया.

आयोजन के सूत्रधार महेश पलोड़ ने कहा कि संगीत लोगों को आपस में जोड़ने का माध्यम है. 'नवरंग तरन्नुम' के जरिए प्रयास रहा कि श्रोताओं को सदाबहार गीतों के साथ ऐसी शाम दी जाए, जिसमें वे संगीत को केवल सुनें ही नहीं, बल्कि महसूस भी करें। कलाकारों की प्रस्तुतियों और दर्शकों के उत्साह से संगीत से सजी यह शाम यादगार बन गई.

चिकित्सा शिविर में समाजजनों ने कराई स्वास्थ्य जांच

नव भारत न्यूज

इंदौर. श्री गुजराती समाज द्वारा समाजजनों के स्वास्थ्य की देखभाल और उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया. बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य जांचों का लाभ लिया.

शिविर में डायबिटीज, कोलेस्ट्राल, लीवर और किडनी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की गई. इसके साथ ही आंख, कान और नाक से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का भी चिकित्सकों द्वारा परीक्षण किया गया. मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए ईसीजी और ब्लड प्रेशर की जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई. गुजराती समाज के अध्यक्ष दीपक कुमार जे. सोनी, उपाध्यक्ष एवं गैर शैक्षणिक समिति के चेयरमैन गोविंद पटेल, मानद महामंत्री पंकज संघवी तथा चिकित्सा सुविधा समिति के चेयरमैन प्रकाश जावीया ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया. उन्होंने कहा कि समाज की ओर से समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर समाजजनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता रहेगा. शिविर के आयोजन में भरत शाह, पंकज ठक्कर और दीपक जेठवा का विशेष सहयोग रहा.